कमसिन कुंवारी लड़की की पहली चुदाई

“न्यू GF सेक्स कहानी में फेसबुक के जरिये मेरी दोस्ती एक लड़की से हुई. हम दोनों सेक्स करने के लिए बेताब हो गए. मौक़ा मिलते ही हम होटल में गए. …”

Story By: देव चौधरी (devchaudhary)
Posted: Tuesday, August 13th, 2024
Categories: जवान लड़की
Online version: कमसिन कुंवारी लड़की की पहली चुदाई

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

कमसिन कुंवारी लड़की की पहली चुदाई

न्यू GF सेक्स कहानी में फेसबुक के जरिये मेरी दोस्ती एक लड़की से हुई. हम दोनों सेक्स करने के लिए बेताब हो गए. मौक़ा मिलते ही हम होटल में गए.

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम देव है और मैं पश्चिमी उत्तर प्रदेश व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का रहने वाला हूँ.
मैं दिखने में गेहुंआ रंग का साधारण सा लड़का हूं. मेरा लंड 6.5 इंच लंबा व 3.5 इंच मोटा है.

यह अन्तर्वासना पर मेरी पहली सेक्स कहानी है.

मेरी न्यू GF सेक्स कहानी की नायिका का नाम निहारिका है और यह नाम बदला हुआ है.

हमारी बात फेसबुक के जरिए हुई थी और यह बात कब प्यार में बदल गई इसका हमें पता ही नहीं चला.

निहारिका एक सांवले रंग की 5 फुट 5 इंच की भरे हुए जिस्म की मालकिन है.
उसका फिगर 34-28-36 का है और उसके नैन नक्श एकदम तीखे हैं.

फेसबुक पर हमारी बात होते होते सिलसिला मुलाकात तक पहुंच गया और आखिर वह दिन आ ही गया, जिसका हम दोनों को बड़ी बेसब्री से इंतजार था.

निहारिका को अपने किसी रिश्तेदार के घर जाना था, तो उसने मुझे बताया.
इसी बात का फायदा उठा कर हम दोनों ने मिलने का प्रोग्राम बना लिया.

मैं तय समय पर उसे लेने उसकी बताई हुई जगह पर पहुंच गया.

आज मैं उसे देखता ही रह गया, वह महरूम रंग की शर्ट और सफेद रंग की जींस में एकदम बॉम्ब लग रही थी.

मैंने उसे अपनी गाड़ी में बैठाया और हम दोनों एक होटल के कमरे में पहुंच गए.

वहां जाकर हमने अपने रूम में एंट्री की तथा निहारिका फ्रेश होने के लिए बाथरूम में चली गई.

फिर हम दोनों बेड पर बैठ कर बातें करने लगे.

बातें करते करते ही मैंने निहारिका का हाथ अपने हाथ में ले लिया और मैं उसे हल्के हल्के से सहलाने लगा.

वह भी मेरे हाथ को अपने कोमल स्पर्श से दबा रही थी.
इसका मतलब यह था कि उसे मेरे हाथ से अच्छा लग रहा था.

मैंने उसकी तारीफ करने से बात की शुरुआत की- सच में निहारिका, तुम अपनी फ़ेसबुक की फ़ोटो से कहीं ज्यादा खूबसूरत और हॉट हो!

वह खिलखिला उठी और मुझे देखते हुए कहने लगी- इतनी भी हॉट नहीं हूँ यार … बस तुम्हें अच्छी लगी, यही बहुत है … थैंक्यू!

मैंने कहा- यह तो तुम्हारी दरियादिली है कि तुम खुद के लिए ऐसा कह रही हो. मैं सच कह रहा हूँ कि तुम्हारा ये खूबसूरत चेहरा अब मेरे दिलोदिमाग से कभी उतर ही नहीं सकेगा!

वह मुस्कुरा दी और बोली- क्या सच में ऐसा है? या यह सिर्फ जिस्म का आकर्षण है?

मैंने कहा- हां यार, मैं सच में ऐसा कह रहा हूँ. जिस्म का आकर्षण तो होता ही है, पर एक बात अन्दर से उठती है … वह मुझे इस बात को कहने के लिए मजबूर कर रही है.

वह मेरे हाथ को जोर से पकड़ कर सहलाने लगी और उसकी आंखों से प्यार झलकने लगा.

मैंने भी उसके हाथ को अपने हाथ में ले लिया और उसे चूमने लगा.
वह बहुत खुश दिख रही थी.

हम दोनों प्यार मुहब्बत की मीठी मीठी बातें करने लगे.

यही सब बातें करते करते कब हमारे होंठ आपस में मिल गए, हमें कुछ पता ही नहीं चला.

अब मैं और निहारिका एक दूसरे के होंठों को ऐसे चूम रहे थे मानो हम दोनों कई जन्मों के प्यासे हों.

मैं उसे किस करते हुए उसके मम्मों को दबाने लगा तो निहारिका की काम वासना से भरी हुई सिसकारियां निकलने लगीं.

किस करते हुए मैं उसके मम्मों को दबाने लगा और उसके पूरे शरीर को हाथ से सहलाने लगा.

उसके दूध बहुत ही कसे हुए थे और लग ही नहीं रहा था कि उसने खुद भी कभी अपने मम्मों को दबाया हो.

एकदम टाइट सेब जैसे उसके दूध सहला कर मैं उन्मत्त हो गया और उसे किस करते हुए उसकी शर्ट के बटन खोलने लगा.

वह भी वासना की आग में झुलस रही थी और उसके मनोभावों से साफ दिखाई दे रहा था

कि न्यू GF सेक्स सेक्स करने का मूड बना चुकी है.

उसने मेरे हाथ नहीं रोके और कुछ ही पलों बाद उसकी शर्ट उसके मम्मों के ऊपर से हट चुकी थी.

शर्ट के नीचे उसने गुलाबी कलर की ब्रा पहनी हुई थी.
लेस वाली ब्रा में उसके दूधिया संतरे मुझे बौरा रहे थे.

वह भी अपनी आंखों में नशीले अंदाज को भर कर मुझे देख रही थी.

जैसे ही उसके मम्मों से मेरे नजरें हट कर उसकी आंखों से मिलीं, तो मैं उसकी हवस से भूखी आंखों में खो सा गया.

मैं उसकी आंखों को अपनी आंखों से अपलक देखता हुआ उसे अपनी तरफ करके उसकी सामने से खुलने वाली ब्रा का हुक हटाने लगा.
हुक खोल कर मैंने उसकी ब्रा को उतार दिया.

उसके दोनों यौवन कपोत फड़फड़ा कर खुली हवा में सांस लेने लगे.

उसकी चूचियों को एक बार हाथ से छू कर देखा तो वह सिहर गई और उसने शर्मा कर अपने मम्मों को अपने हाथों से छुपा लिया.

मैं उसे किस करता हुआ नीचे को आता गया.
पहले गर्दन पर, फिर उसके कान के पीछे, अपनी जीभ से सहलाने लगा.

उसकी सिसकारियां और तेज होने लगीं.

अब मैं धीरे धीरे उसके मम्मों तक आ गया.

मैंने उसके एक निप्पल को मुँह में भर लिया और दूसरे हाथ से दूसरे बूब्स को दबाने लगा.

पूरे कमरे में सिर्फ उसकी सिसकारियां गूंज रही थीं जो पूरे माहौल को और भी सेक्सी बना रही थीं.

मैं किस करते हुए उसके पेट तक आ गया और जैसे ही मैंने उसकी नाभि में जीभ लगाई.
उसने तुरंत मेरे सर को अपनी नाभि में दबा लिया और एक जोरदार सिसकारी भरी.

मैंने अपनी चुंबन यात्रा को जारी रखते हुए उसकी पैंट में हाथ डाल दिया.
वह फिर से सिहरी.

मैंने उसकी सिहरन को नजरअंदाज करते हुए उसकी पैंटी के ऊपर से ही उसकी चूत को छुआ.

आह … उसकी पूरी पैंटी गीली हो चुकी थी.
मेरी उंगलियां उसकी चुत के रस से सनी पैंटी से गीली हो गई थी.

फिर मैंने धीरे से उसकी पैंट के साथ उसकी पैंटी को भी उसके शरीर से अलग कर दिया.

उसकी चूत बिल्कुल पानी पानी हो रही थी.
मैंने उसकी चूत में एक उंगली डालनी चाही जो बहुत मुश्किल से गई.

मेरी उस उंगली ने निहारिका को एकदम से पकड़ कर खुद को कसमसा दिया.

मैंने उंगली हटा ली और उसके मम्मों को दबाते हुए उसे लिटा दिया.
तो वह कटी हुई डाली की तरह बिस्तर पर पसर गई.

वह चित लेट गई थी तो मैंने पोजीशन सैट की और उसकी चूत पर अपना मुँह रख दिया.

फिर अपनी जीभ से उसकी चूत के होंठों को सहलाने लगा और उसके भगनासा के दाने को चूसने लगा.
इससे वह एकदम पागलों की तरह अपने सर को तकिए पर इधर उधर पटकने लगी और मेरे सर को अपनी चूत में दबाने लगी.

उसकी चूत के अन्दर तक मैं अपनी जीभ डालने लगा और वह मेरे सर को अपने दोनों पैरों से दबाने लगी.

मैं तब तक उसकी चूत चाटता रहा, जब तक कि वह झड़ नहीं गई.

उसके झड़ने के बाद उसने मुझे खींच कर अपने ऊपर ले लिया.
वह मुझसे कहने लगी- देव क्यों इतना तड़पा रहा है, प्लीज डाल दे अपना औजार मेरे अन्दर!

मैंने भी ज्यादा तड़फाना ठीक नहीं समझा और उसके ऊपर आकर उससे अपने कपड़े उतरवाने लगा.
वह इतनी फुर्ती से मेरे कपड़े हटा रही थी मानो वह किसी तेज चलती ट्रेन में चढ़ना चाहती हो.

कुछ ही पलों बाद मैं नंगा हो गया था और अपना लंड उसकी चूत पर रगड़ने लगा था.
उसने अपनी कमर उठा कर इशारा किया और मैंने उसकी चूत के छेद पर एक झटका लगा कर लंड को पेल दिया.

इस तेज प्रहार से मेरे लंड का टोपा उसकी चूत में घुसता चला गया जिसके फलस्वरूप उसकी आंखों से आंसू आ गए और उसने मुझे रुकने को कहा.
मैं वहीं रुक गया और उसको किस करते हुए उसके बूब्स दबाने लगा.

कुछ ही देर बाद उसको अच्छा लगने लगा तो उसने नीचे से कमर हिलाकर मुझे इशारा किया.
मैंने एक धक्का और लगा दिया.
इस बार मेरा पूरा लंड उसकी चूत में चला गया लेकिन उसको असहनीय दर्द होने लगा.

मैंने उसकी चुत पर हाथ लगा कर देखा, तो उसकी चूत से खून निकलने लगा था.

मैं सकपका गया और वहीं रुक कर उसको किस करते हुए उसके बूब्स दबाने लगा.

एक दो पल में ही मैं समझ गया था कि इसकी सील टूटी है, जिस वजह से उसकी चुत से खून निकल रहा है.

थोड़ी देर बाद जब उसकी चूत का दर्द कम हुआ तो उसने मुझे धक्के लगाने का इशारा अपनी कमर हिलाकर किया तो मैंने धक्के लगाने शुरू कर दिए.

कुछ ही धक्कों के बाद अब हर धक्के पर मुझे उसका पूरा सहयोग मिल रहा था और उसकी दर्द भरी आहें बदल कर मजे वाली सिसकारियों में बदल चुकी थीं.

उसकी चूत से पानी आने की वजह से पूरे कमरे में उसकी सिसकारियों के साथ फच फ़च की आवाज आ रही थी, जो कमरे के माहौल को और भी सेक्सी कर रही थी.

अब तो वह खुद नीचे से अपनी गांड उठा कर मुझे तेज रफ्तार से चोदने के लिए बोल रही थी- आह आह प्लीज जानू … फक मी हार्ड आह … मजा आ रहा है … प्लीज और तेज तेज चोदो मुझे !

उसकी इस तरह की आवाजों को सुनकर मैंने अपनी रफ्तार और तेज कर दी.

उसके नाखून मेरी कमर में गड़ रहे थे और मेरे हर धक्के का जवाब वह अपनी कमर उठाकर

दे रही थी.
साथ ही उसने मेरे मुँह में अपनी जीभ डाल दी जिसे मैं बड़े मजे से खा रहा था.

उसकी वासना से भरी हुई सिसकारियां और तेज होती जा रही थीं.
वह आह आह ओह ओह करती हुई चुद रही थी.
उसने मुझे अपनी बांहों में कस कर जकड़ लिया और नीचे से मेरे हर धक्के का जवाब देती हुई मुझे छाती पर काटने लगी.

उसकी चुदाई की तीव्रता बता रही थी कि वह अपनी चरम पर निरंतर आती जा रही है.

अचानक से उसने अपने दोनों पैरों से मेरी कमर पर कस लिया और आह आह करती हुई झड़ने लगी.

उसके झड़ने से मेरी रफ्तार में कोई कमी नहीं आई.
मैं उसको उसी रफ्तार से धक्के लगाता रहा और दस मिनट की धुंआधार चुदाई के साथ मैं भी उसी के साथ झड़ गया.

झड़ने के बाद मैं कुछ देर तक उसी के ऊपर लेटा हुआ उसे किस करता रहा और हम दोनों अपनी सांसें नियंत्रित करते रहे.

फिर हम दोनों अलग हुए तो वह मेरे नीचे से निकल कर बाथरूम में फ्रेश होने चली गई.
मैं बेड पर लेटा रहा.

जब वह बाथरूम से आई तो मैंने उसे अपनी बांहों में भर कर किस किया.

उस रात हम दोनों पूरी रात साथ रहे और हम दोनों ने कई बार चुदाई की.
वह मेरी चुदाई से इतनी ज्यादा संतुष्ट थी कि उसने मुझसे शादी करने की ख्वाहिश भी

जाहिर की.

मैंने कहा- हां मैं भी तुमसे शादी करने के लिए राजी हूँ.

अब हम दोनों अपने घर में शादी के लिए माहौल बना रहे हैं.

दोस्तो, यह मेरी सच्ची सेक्स कहानी है.
आपको मेरी न्यू GF सेक्स कहानी अच्छी लगी होगी.
प्लीज मुझे जरूर लिखें.

यदि आप मेरी अगली सेक्स कहानी पढ़ना चाहते हों तो मुझे जरूर मेल कीजिए.
devchaudhary2158@gmail.com

Other stories you may be interested in

कुंवारी लड़की की पहली चुदाई की लालसा- 2

फर्स्ट सेक्स विद फ्रेंड का मजा मैंने अपने पुराने दोस्त से लिया … वो भी मेरी सगाई किसी दूसरे लड़के से होने के बाद … मैंने बड़ी मुश्किल से अपने दोस्त को सेक्स के लिए मनाया. कहानी के पहले भाग […]
Full Story >>>

कुंवारी लड़की की पहली चुदाई की लालसा- 1

माय सेक्स डिजायर X कहानी में मेरा रिश्ता तय हुआ तो मैं अपने मंगेतर से मिलने लगी. मंगेतर के साथ चूमा चाटी ने मेरी अन्तर्वासना बढ़ा दी. मेरे मंगेतर भी मेरे साथ सेक्स करना चाहता था. दोस्तो, कैसे हैं आप […]
Full Story >>>

छोटी बहन को चुदती हुई देखा

यह Xxx बहन सेक्स लाइफ कहानी है मेरी बहन की अन्तर्वासना की जिसमें मैंने उसे पड़ोस के दो लड़कों से एक साथ सेक्स करती देखा कि कैसे वह उनके साथ सेक्स को एन्जॉय करती है। दोस्तो ! मेरा नाम जहीर है। […]
Full Story >>>

बहन की पैंटी से चूत-चुदाई तक का सफर

पैंटी ब्रा सेक्स कहानी में कॉलेज में एक लड़की को मैंने बहन बना लिया. उसका बॉयफ्रेंड उसे चोदता था. पढ़ाई के बाद हम दोनों एक ही शहर में जॉब करने लगे तो रूम शेयर करने लगे. दोस्तो, मेरा नाम करण […]
Full Story >>>

मेरी गांड का कांड हो गया- 3

Xxx डिलडो सेक्स कहानी में मेरी छोटी बहन नर मुझे बताया कि कैसे उसने मुझे नींद की गोलियां खिलाकर उसने मेरी गांड में मोटा डिलडो पेल कर मेरी गांड को मजा दिया, मेरी प्यास बुझाई. दोस्तो, आप मेरी गांड चुदाई […]
Full Story >>>